



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्रकाशित से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

पृ० 181]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 31, 1974/श्रावण 9, 1896

No. 181]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 31, 1974/SRAVANA 9, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

RESOLUTION

New Delhi, the 31st July, 1974

No. 3/10/74-Pub.—The President has learnt with profound regret of the sad demise of Shri Mansinhji Bhasaheb Rana, Minister of State in the Ministry of Industrial Development on the 31st July, 1974.

Born on 10th March 1904, Shri Rana was educated at Gujarat College, Ahmedabad, Government Law College, Poona and Middle Temple, London and Agriculture College, Poona. He worked as President Taluka Panchayat, Vagra from 1935 to 1938 and as Magistrate 1st Class, Broach, Vagra in 1938-39.

He was Major Commander, Bombay Civil Pioneer Force from 1942 to 1945. He was elected Member, Legislative Assembly, Bombay 1946-52 and 1956-60 and Gujarat 1962-67. He was Speaker Gujarat Legislative Assembly in 1960-62. He was elected to the 4th Lok Sabha in 1967 and again to the 5th Lok Sabha in 1971 from Broach. He served as Chairman Committee on Public Undertakings in 1969-70 and 1971-72. He was appointed as Minister of State in the Ministry of Shipping and Transport from 5th February, 1973 and took over as Minister of State in the Ministry of Industrial Development on 11th January, 1974.

Shri Rana was a keen sportsman and took special interest in physical training and games. He was Vice-President of the Gujarat Rifle Association. He was a life member of the Farmers' Forum of India and had donated 400 acres of land or Bhoodan. He had widely travelled and visited U.K., Japan and several other countries in Europe.

As a Minister Shri Rana worked with dedication and served the country un-remittingly. His death has caused a grievous loss to the Government and people of India.

N. K. MUKARJI, Secy.

गृह मंत्रालय

संस्कृत

नई दिल्ली, 31 जुलाई 1974

सं. 3/10/74-पब्लिक-1 — 31 जुलाई, 1974 का औद्योगिक विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री मानसिंह जी भासाहिब राणा के दुःखद निधन का समाचार पाकर राष्ट्रपति को अत्यंत दुःख हुआ।

श्री राणा का जन्म 10 मार्च, 1904 को हुआ था और आपने गुजरात कानून, अहमदाबाद और गवर्नेमेंट ला कालेज, पुना और मिडिल टेम्पल, लन्दन तथा एग्रीकल्चर कालेज, पुना में शिक्षा प्राप्त की थी। आपने 1935 से 1938 तक अध्यक्ष, ताल्लुक पंचायत, बाघा के रूप में और सन् 1938-39 में मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, भडोच, बाघा के रूप में कार्य किया।

आप सन् 1942 से 1945 तक वम्बई सिविल पायोनीयर फार्म के मेजर कमांडर रहे। सन् 1946-52 और सन् 1956-60 के दौरान आप वम्बई विधान सभा के सदस्य रहे और सन् 1962 से 1967 तक गुजरात विधान सभा के सदस्य रहे। सन् 1960-62 के दौरान आप गुजरात विधान सभा के अध्यक्ष रहे। सन् 1967 में आपको चौथी लोक सभा के लिए निर्वाचित किया गया और बाद में सन् 1971 में आप भडोच में पांचवीं लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। आपने सन् 1969-70 और 1971-72 में सरकारी उपक्रमां सम्बन्धी समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 5 फरवरी, 1973 को आप नीवहन और परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त हुए। 11 जनवरी, 1974 को आपने औद्योगिक विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्य भार संभाला।

श्री राणा एक विशिष्ट क्रीड़ा प्रेमी रहे हैं और आप कृषि, शारीरिक प्रशिक्षण, खेल-कूद में विशेष रुचि रखते थे। आप गुजरात राइफल एसोसिएशन के उप-प्रधान रहे हैं। आप फार्मर्स फोरम आफ इंडिया के आजीवन सदस्य थे और आपने भूदान के लिए 400 एकड़ भूमि दान स्वरूप दी थी। आपने विदेशों में काफी भ्रमण किया था और यू.के., जापान और यूरोप के अन्य कई देशों का दौरा भी किया था।

मंत्री के रूप में श्री राणा ने पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य किया और सतत् रूप से राष्ट्र की सेवा की। आपके निधन ने भारत की सरकार और जनता को गहरी शक्ति हुई है।

नि. मुकर्जी, सचिव।